

---

Atmanathavedapada Stuti Brahmakrita

——  
आत्मनाथवेदपादस्तुतिः ब्रह्मकृता

——  
Document Information



---

Text title : Atmanathavedapada Stuti

File name : AtmanAthavedapAdastutiH.itx

Category : shiva, stuti

Location : doc\_shiva

Proofread by : Aruna Narayanan

Description/comments : From Atmanatha Stuti Manjari, Ed. S. V. Radhakrishna Sastri

Latest update : December 12, 2022

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 22, 2022

*sanskritdocuments.org*

---



आत्मनाथवेदपादस्तुतिः ब्रह्मकृता



नित्याय निर्विकल्पाय निर्मलाय महौजसे ।  
निराकाराय गुरवे जगतां गुरवे नमः ॥ १ ॥

नादाय बिन्दुरूपाय कलाकाराय तेजसे ।  
सहस्रभुजपादाय सहस्राक्षाय ते नमः ॥ २ ॥

चिदानन्दाय शुद्धाय महानन्दस्वरूपिणे ।  
महादेवादिदेवाय पशूनां पतये नमः ॥ ३ ॥

अणोरणीयसे तुभ्यं महतश्च महीयसे ।  
परात्पराय पुण्याय क्षेत्राणां पतये नमः ॥ ४ ॥

वेदागमविचिन्त्याय वेधसेऽजिनवाससे ।  
बहिर्मुखैरदृश्याय दिशाञ्च पतये नमः ॥ ५ ॥

स्वेच्छासृष्टाखिलाण्डाय कारणत्रयहेतवे ।  
भक्तचित्तनिवासाय सेनानां पतये नमः ॥ ६ ॥

चन्द्रखण्डावतंसाय चराचरमयाय ते ।  
शाश्वतायादिदेवाय वृक्षाणां पतये नमः ॥ ७ ॥

त्वदाधारमिदं सर्वं त्वदन्तस्समुपस्थितम् ।  
त्वमात्मनाथस्सर्वेषां पुष्टानां पतये नमः ॥ ८ ॥

जगन्मात्रे जगद्धात्रे जगद्धर्त्रे सुतेजसे ।  
मत्पित्रे जगतां भर्त्रे ह्यन्नानां पतये नमः ॥ ९ ॥

शरणं भव सर्वेश त्वमेव शरणं मम ।  
पाहि मां पाहि मां नित्यं पाहि मामात्मनायक ! ॥ १० ॥

इति आत्मनाथवेदपादस्तुतिः समाप्ता ।

*Atmanathavedapada Stuti Brahmakrita*  
pdf was typeset on December 22, 2022

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

